पटना मेट्रो के लिए जनवरी में आरएफपी की तैयारी

दूसरें निकायों को जोड़ 20 लाख की आबादी का निकला रास्ता, खगौल भी शामिल

नवीन कुमार मिश्र, पटना

राजधानी को यातायात की समस्या से राहत दिलाने के लिए सरकार ने पटना में मेट्रो ट्रेन की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि 20 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहर के लिए ही मेट्रो प्रोजेक्ट की मंजूरी दी जाएगी। इस समस्या को दूर करने के लिए सरकार ने पटना एग्लोमेरेशन एरिया यानी पटना नगर निगम के साथ फुलवारीशरीफ, खगौल और दानापुर को शामिल कर रास्ता निकाल लिया है। जल्द ही पटना मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए तकनीकी व आर्थिक संभाव्यता रिपोर्ट के लिए आरएफपी (रिक्वेस्ट फार प्रपोजल) के लिए आमंत्रित करने वाली है। तकनीकी परेशानी न हो इसे ध्यान में रखते हुए योजना आयोग द्वारा स्वीकृत आरएफपी डाक्यूमेंट को आधार बनाया जा रहा है। आरएफपी के लिए नगर विकास एवं आवास विभाग ने बजट में करीब नौ करोड़ रुपये का प्रावधान कर रखा है। आरएफपी के बाद डीपीआर का निर्माण कर योजना आयोग से मंजूरी ली जाएगी। आरएफपी के बाद लागत का अनुमान लगेगा। कास्ट शेयरिंग का रास्ता स्पष्ट होगा कि कितनी राशि योजना आयोग से मिलती है कितना राज्य सरकार को लगाना पड़ेगा या पीपीपी मोड में इसे चलाया जाएगा। शहरी विकास मंत्रालय 50 फीसद राज्य सरकार को लगाने की बात करता रहा है हालांकि जोर पीपीपी मोड पर है।

पटना को यातायात समस्या से निदान के लिए सड़कों के चौड़ीकरण का काम हो चुका है, अब ज्यादा गुंजाइश नहीं है। मेट्रो ही उपाय है। इसका रूट तय किया जा रहा है। लगातार मंथन हो रहा है। जल्द रूट तय कर मुख्यमंत्री से मंजूरी ली जाएगी। अब जनवरी में आरएफपी में लाए जाने की तैयारी है। औपचारिक मंजूरी के बाद तीन साल में निर्माण का काम पूरा कर लिया जाएगा

डा. प्रेम कुमार, मंत्री नगर विकास

रूट पर चल रहा मंथन

पटना शहर को यातायात से राहत दिलाने के लिए रूट पर मंथन चल रहा है। आरएफपी में जाने के पूर्व रूट का टेंटेटिव निर्धारण कर लेना है। नगर विकास के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार राइट्स ने पटना में मेट्रो रेल के लिए एक-डेढ़ साल पूर्व आरंभिक सर्वे का काम किया था सेंट्रल स्टेशन के रूप में पटना जंक्शन की पहचान की थी। मगर स्थान की कमी के मद्देनजर इसे उपयुक्त नहीं पाया गया है। अन्य रूटों की भी पहचान की गई थी मगर तकनीकी परेशानी है। गांधी मैदान के इलाके में सेंट्रल स्टेशन की संभावना भी तलाशी जा रही है। ताकि कंकड़बाग, पटनासिटी, दानापुर, खगौल रूट के लिए जंक्शन का काम कर सके। कुल मिलाकर करीब 40-50 किलोमीटर की लंबाई में इसके निर्माण की योजना पर काम शुरू किया गया है। शहर में विभिन्न स्थानों पर बन चुके फ्लाइओवर, प्रस्तावित एलिवेटेड सड़क तकनीकी परेशानी की वजह बन रहे हैं। तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहले ही कह चुके हैं कि ऐतिहासिक महत्व के शहर पटनासिटी की खुदाई कर मेट्रो रेल नहीं लगाया जाएगा। उसके लिए ओवरहेड रेल की व्यवस्था की जाए।